Odisha State Open University
Sambalpur

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
सम्बलपुर

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष

पर्याय-1 (Semester-I)

सत्रीय कार्य

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम में आपका स्वागत है।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (Course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें; जिसके बिना आप परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। इसमें उत्तीर्ण होने के लिए आपको कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा जमा न करने की स्थिति में आपको अगले सत्र के लिए निर्द्धारित सत्रीय कार्य का उत्तर लिखकर जमा करवाना होगा।

सत्रीय कार्य का महत्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्द्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 25 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 25 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 75 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप-रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एम.ए. हिंदी कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पर्याय-1 (प्रथम सेमिस्टर) में एम.एच.डी-02 और एम.एच.डी-03, इस प्रकार 8-8 क्रेडिट के दो पाठ्यक्रम हैं। इन में से प्रत्येक पाठ्यक्रम की अध्ययन-सामग्री आपको 6-6 खंडों में उपलब्ध करवाई गई है।

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट के लिए एक प्रश्नपत्र होगा, यानी 8 क्रेडिट के एक पाठ्यक्रम पर आधारित दो प्रश्नपत्र होंगे। अत: आपको प्रथम वर्ष के प्रथम सेमिस्टर के दो पाठ्यक्रमों के लिए कुल 4 प्रश्नपत्रों के उत्तर देने हैं।

इसके लिए एम.एच.डी- 02 के खंड- 1, 2 और 3 पर आधारित एक प्रश्नपत्र-1 तथा खंड- 4, 5 एवं 6 पर आधारित प्रश्नपत्र-2 तैयार किया गया है।

उसी प्रकार एम.एच.डी-03 के खंड- 1, 2 और 3 पर आधारित प्रश्नपत्र-1 तथा खंड- 4, 5 एवं 6 पर आधारित प्रश्नपत्र- 2 तैयार किया गया है। इस प्रकार इस सत्रीय कार्य-पुस्तिका में हिंदी एम.ए के प्रथम वर्ष के पर्याय-1 यानी प्रथम सेमिस्टर हेतु कुल 4 प्रश्नपत्र दिए गए हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं होते। अत: विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे उपलब्ध करवाई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करके हिंदी साहित्य और आलोचना के क्षेत्र में समुचित ज्ञान प्राप्त करें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संम्बंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की है। सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य-सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके सम्बंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें; उत्तर देते समय आप विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई गई सामग्री को पुनर्प्रस्तुत न करें, बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-समझकर अपने शब्दों में लिख सकें। आपके उत्तर में आपके अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपकी पकड़ का समुचित प्रतिफलन होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए जाँचकर्ता इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

1. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर कागज के एक ही तरफ लिखें।
3. जाँचकर्ता के उपयोग के लिए कागज की बाईं ओर कम से कम एक इंच का हाशिया अवश्य छोड़ें। यदि कागज के दोनों तरफ उत्तर लिखते हैं तो पीछे की ओर लिखते समय बाईं ओर के साथ साथ दाहिनी ओर भी हाशिया छोड़ें ताकि आपके उत्तर का कोई अंश पुस्तिका को सिलाई करते समय अंदर दब न जाए।
4. प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर वाले हाशिए में पृष्ठ-संख्या अंकित करके उन्हें अच्छी तरह सिलाई कर लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले बाईं ओर छोड़े गए हाशिए पर प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर लिखें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन करें

1. प्रश्न में जो पूछा गया है, उसे अच्छी तरह समझकर उत्तर लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें; जो नहीं पूछा गया हो, उसे न लिखें।
2. व्याख्या से संम्बंधित उत्तर में संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या, भाषा-शैली व अन्य विशेष बातों का उल्लेख अवश्य करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. आपका उत्तर संक्षिप्त व सारगर्भक हो, इस पर ध्यान दें।
5. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
6. लेखन में भाषागत त्रुटि न हो, वर्तनी और व्याकरणगत गलतियों से बचें।
7. प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्द्धारित शब्द-सीमा का अतिक्रमण न करने का यथासम्भव प्रयास करें।
8. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें, अस्पष्ट लिखावट से जाँचकर्ता को उसे पढ़ने में दिक्कत होगी और इससे वे आपके उत्तर से न्याय नहीं कर सकेंगे।
9. जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें आप रेखांकित कर सकते हैं, परंतु इसके लिए आप लाल स्याही का उपयोग न करें।
10. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।
11. अपनी उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
12. प्रथम पृष्ठ की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और अपने अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड लिखिए।

अनुक्रमांक.....

नाम.....

पता.....

कार्यक्रम का नाम- स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी) **MAHD**

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य (Assignment) कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

दिनांक.....

मुक्त व दूर शिक्षा पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य की अपनी विशेष भूमिका है। यह विद्यार्थियों की उपलब्धियों के निरंतर व सामग्रिक मूल्यांकन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का उत्तर आप अपने घर पर ही बैठकर लिखेंगे जिसमें समय अथवा पाठ्य-सामग्री के उपयोग की कोई पाबंदी नहीं है। अत: आपसे अपेक्षा की जाति है कि इस कार्य को आप बखूबी कर सकते हैं। इस पुस्तिका में दिए गए प्रश्नपत्रों के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सत्रांत परीक्षा में आपके लिए प्रश्नों के विकल्प उपलब्ध होंगे जिनमें से आप अपनी सुविधानुसार प्रश्नों का चयन कर सकेंगे।

आपके अध्ययन केंद्र में इसका मूल्यांकन करके जाँचकर्ता के मंतव्यों के साथ आपको लौटा दिया जाएगा, जिससे आप अपनी सफलता व कमियों को समझकर तदनुसार अंतिम परीक्षा के लिए अपनी तैयारी कर सकेंगे। सत्रीय कार्य के माध्यम से आप अपने जाँचकर्ता व शिक्षण सलाहकार से द्विपक्षीय सम्पर्क स्थापित कर सकेंगे।

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड संख्या	क्रेडिट	अंतिम तिथि	वार
1	एम.एच.डी- 02	आधुनिक हिंदी काव्य-1	खंड- 1, 2, 3	4	31 मार्च, 2019	रविवार
2	एम.एच.डी- 02	आधुनिक हिंदी काव्य-2	खंड- 4, 5, 6	4	31 मार्च, 2019	रविवार
3	एम.एच.डी- 03	उपन्यास एवं कहानी	**उपन्यास** खंड- 1, 2, 3	4	31 मार्च, 2019	रविवार
4	एम.एच.डी- 03	उपन्यास एवं कहानी	**कहानी** खंड- 4, 5, 6	4	31 मार्च, 2019	रविवार

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी- 02
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-2/1

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-1

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक काव्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **02**

खंड : एम.एच.डी- 01, 02, 03 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) 'जूही की कली' कविता के रचयिता कौन हैं? इसमें वर्णित मुख्य विषय क्या है?

(ख) 'प्रथम रश्मि' कविता में कवि ने प्रकृति के माध्यम से किस बात की ओर इशारा किया है?

(ग) महादेवी वर्मा के काव्य का प्रमुख प्रेरक तत्व क्या है?

(घ) भारतेंदु हरिश्चंद्र के काव्य के केंद्रीय भाव क्या हैं?

(ङ) मैथिली शरण गुप्त के काव्य की मूल संवेदना क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) प्रगतिवाद पर रामधारी सिंह दिनकर के विचारों का उल्लेख करें।

(ख) 'राम की शक्तिपूजा' कविता के ऐतिहासिक संदर्भों पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ग) 'आँसू' काव्य की मुख्य प्रेरणा क्या है? प्रकृति चित्रण के माध्यम से कवि ने उसे किस तरह अभिव्यक्त किया है सोदाहरण समझाइए।

(घ) इन पंक्तियों का संदर्भ और मुख्य आशय क्या है -

बरसा रहा है रवि अनल भूतल तवा-सा जल रहा
है चल रहा सन-सन पवन, तन से पसीना बह रहा।

3. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में कीजिए। **[10x4=40]**

(क) यह नियम है, उद्यान में सूखकर गिरे पत्ते जहाँ,
प्रकटित हुए पीछे उन्हीं के लहलहे पल्लव वहाँ।
पर हाय! इस उद्यान का कुछ दूसरा ही हाल है,
पतझड़ कहें या सूखा, कायापलट या काल है?

(ख) खुले पलक, फैली सुवर्ण छवि
खिली सुरभि, डोले मधु-बाल;
स्पंदन, कम्पन और नवजीवन
सीखा जग ने अपनाना।

(ग) नायक के चूमे कपोल,
डोल उठी वल्लरी की लड़ी जैसे हिंडोल।
इस पर भी जागी नहीं,
चूक-क्षमा माँगी नहीं,
निद्रालस बंकिम विशाल नेत्र मूँदे रही-
किंवा मतवाली थी यौवन की मदिरा पिए ।।

(घ) झंझा झकोर गर्जन था
बिजली थी नीरद माला
पाकर इस शून्य हृदय को
सबने आ डेरा डाला ।।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। [15x2=30]

(क) मानव जीवन में काम का व्यापक महत्व है- उर्वशी काव्य के आधार पर अपने विचार प्रकट करें।

(ख) मैथिली शरण गुप्त के काव्य में राष्ट्र चेतना के स्वर को सोदाहरण स्पष्ट करें।

एम.एच.डी- 02
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-2/2

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-2

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक काव्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **02**

खंड-एम.एच.डी- 04, 05, 06 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) 'अकाल और उसके बाद' कविता के भाव किस अलंकार के प्रयोग से प्रखर बन गए हैं? सोदाहरण समझाइए।

(ख) मुक्तिबोध अपनी कविता में समाज के किस पक्ष का प्रतिनिधित्व करते दिखाई देते हैं?

(ग) अज्ञेय के आत्मबोध का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(घ) 'रामदास' कविता में वर्णित आधुनिक समाज के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'मगध के लोग' कविता में माघध के बहाने कवि क्या कहना चाहता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) 'अंधी पिस्तौल' कविता के रचयिता कौन हैं? इस कविता के केंद्रीय भाव पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ख) अज्ञेय की व्यंग्य कविताओं के बारे में क्या जानते हैं लिखिए।

(ग) 'तीसरा रास्ता' कविता में कवि किस तीसरे रास्ते की तलाश में है?

(घ) धूमिल को नक्सलवाद से गहरी सहानुभूति क्यों है?

3. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में कीजिए। **[10x4=40]**

(क) देर तक टकराए
उस दिन इन आँखों से वे पैर
भूल नहीं पाऊँगा फटी बिवाइयाँ
खुब गई दुधिया निगाहों में
धँस गई कुसुम-कोमल मन में।

(ख) आओ बैठो : क्षणभर तुम्हें निहारुँ
अपनी जानी एक-एक रेखा पहचानूँ
चेहरे की, आँखों की- अंतर्मन की
और- हमारे साझे की अनगिनत स्मृतियों की:
झिझक न हो कि निरखना दबी वासना की विकृति है!

(ग) ओ मेरे सिद्धांतवादी मन
अब तक क्या किया ?
जीवन क्या जिया !
उदरम्भरि बन अनात्म बन गए,
भूतों की शादी में क़नात से तन गए
किसी व्यभिचार के बन गए बिस्तर;

दु:खों के दाग़ों को तमग़ों-सा पहना,
अपने ही ख़यालों में दिन-रात रहना,
असंग बुद्धि व अकेले में सहना,
ज़िंदगी निष्क्रिय बन गई तलघर;

अब तक क्या किया,
जीवन क्या जिया !

बताओ तो किस-किस के लिए तुम दौड़ गए,
करुणा के दृश्यों से हाय! मुँह मोड़ गए,
बन गए पत्थर;

बहुत-बहुत ज़्यादा लिया,
दिया बहुत-बहुत कम;
मर गया देश, अरे, जीवित रह गए तुम!

(घ) मित्रो-
दो ही रास्ते हैं:

दुर्नीति पर चलें, नीति पर बहस बनाए रखें;
दुराचरण करें, सदाचार की चर्चा चलाए रखें;

असत्य कहें, असत्य करें, असत्य जिएँ-
सत्य के लिए मर मिटने की आन नहीं छोड़ें;

अंत में
प्राण तो सभी छोड़ते हैं
व्यर्थ के लिए
हम प्राण नहीं छोड़ें

मित्रो,
तीसरा रास्ता भी है-
मगर यह मगध,
अवंती, कोसल या विदर्भ
होकर नहीं जाता।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। [15x2=30]

(क) नागार्जुन के काव्य में प्रकृति के सजीव वर्णन के साथ साथ जन सामान्य का दु:ख-दर्द और उल्लास प्रस्फुटित हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) रघुवीर सहाय की काव्य भाषा की मुख्य विशेषताएँ बताइए।

एम.एच.डी- 03
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-3/1

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-3

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : उपन्यास एवं कहानी

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **03**

खंड-एम.एच.डी- 01, 02, 03 (क्रेडिट- 4) उपन्यास **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) 'गोदान' उपन्यास में किन समस्याओं को उभारा गया है?

(ख) 'मैला आंचल' किसकी कृति है? इसे आंचलिक उपन्यास क्यों कहा जाता है?

(ग) 'धरती धन न अपना' उपन्यास की मुख्य संवेदना क्या है?

(घ) सुहैल किस उपन्यास का पात्र है? उपन्यास में उसकी क्या भूमिका है?

(ङ) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में नारी की क्या स्थिति है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) भारतीय किसान दब्बू, असंगठित व असहाय क्यों है?

(ख) धनिया होरी की पूरक पात्र है या एक स्वतंत्र व्यक्तित्व? संक्षेप में उत्तर दीजिए।

(ग) 'धरती धन न अपना' की कथानक में चौधरी हरनाम सिंह की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(घ) 'सूखा बरगद' में हिंदू-मुस्लिम समुदाय में भाईचारे को तोड़ने वाले किन तत्वों को ज़िम्मेवार ठहराया गया है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए। **[10x4=40]**

(क) धनिया का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) ज्ञानो की त्रासदी को रेखांकित करते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'सूखा बरगद' की कथानक के आधार पर सकारात्मक धर्म-निरपेक्षता पर विचार कीजिए।

(घ) भाषा-शिल्प की दृष्टि से 'मैला आँचल' की प्रमुख विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में चित्रित नारी पात्रों की क्रांतिकारी भूमिका पर विचार करें।

(ख) 'गोदान' उपन्यास में कृषि और भारतीय किसान के जीवन की त्रासदी को बखूबी उभारा गया है- स्पष्ट करें।

एम.एच.डी- 03
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-3/2

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-4

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : उपन्यास एवं कहानी

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **03**

खंड-एम.एच.डी- 04, 05, 06 (क्रेडिट- 4) कहानी **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) 'ठाकुर का कुआँ' कहानी के कथाकार कौन हैं? इस कहानी की आड़ में लेखक क्या संदेश देना चाहता है?

(ख) 'पुरस्कार' कहानी के प्रमुख पात्रों के नाम बताइए। इसके मुख्य प्रतिपाद्य के बारे में आप क्या जानते हैं?

(ग) 'तिरिछ' कहानी में आधुनिक युग के किस चरित्र को उजागर किया गया है?

(घ) 'कुत्ते की पूँछ' कहानी का उद्देश्य क्या है?

(ङ) 'पाजेब' कहानी की मूल प्रेरणा क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) यशपाल ने 'कुत्ते की पूँछ' प्रतीक का उपयोग किसके लिए और क्यों किया है?

(ख) मन्नू भंडारी की 'त्रिशंकु' कहानी के शीर्षक की सार्थकता प्रतिपादन कीजिए।

(ग) 'चीफ़ की दावत' कहानी में निहित उद्देश्यों को रेखांकित कीजिए।

(घ) नईडीह के निवासी कर्मनाशा की भयंकर बाढ़ का सम्बंध विधवा फुलमत के माँ बनने से जोड़ने के पीछे निहित कारण पर चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए। **[10x4=40]**

(क) 'पाजेब' कहानी में बाल-मनोविज्ञान को किस तरह विश्लेषित किया गया है?

(ख) मधुलिका का चरित्र चित्रण करते हुए उसके द्वंद्व के कारणों पर विचार कीजिए।

(ग) 'पिता' कहानी में सामाजिक यथार्थ का चित्रण किस रूप में हुआ है स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'रोज़' कहानी के आधार पर मालती का चरित्र चित्रण कीजिए। (३/४, पृष्ठ ६१-६२)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) 'यह अंत नहीं' कहानी के आधार पर भारतीय समाज की स्थिति का विश्लेषण कीजिए।

(ख) 'भोलाराम का जीव' में अपनाए गए कथा-शिल्प के माध्यम से लेखक अपने उद्देश्य को व्यक्त करने में कहाँ तक सफल हुआ है, उसका मूल्यांकन कीजिए।